केरल की प्रतिरोध की दीवार

You can also follow me for updates and pdf :-

Instagram:- vironika_om
Facebook:- m.facebook.com/vironikaom

STUDY IQ

Makar Sankranti

SALE

FLAT 60% OFF

- SSC & BANK EXAMS
- UPSC/CSE COURSES
- STATE PSC COURSES
- UPSC OPTIONAL COURSES
- SSC JE COURSES
- LAW EXAM COURSES
- DMRC EXAMS
- NABARD EXAMS
- RBI EXAMS
- INSURANCE EXAMS
- RAILWAY COURSES
- TEACHING EXAM COURSES
- PROFESSIONAL COURSES
- DEFENCE EXAM COURSES
- UGC NET

PENDRIVE & ANDROID COURSES

Contact : 9580048004, 7291059476

www.studyiq.com

VALID TILL 15TH JAN'19

STUDY IQ

PENDRIVE COURSES

Call : 9580048004, 7291059476

SSC & BANK COURSES

- All Govt Exams
- SSC & Bank Combo
- SSC Exams
- Bank Exams
- Bank SO - IT Officer
- SSC CGL - AAO

UPSC OPTIONAL

- UPSC - Geography
- UPSC - Psychology
- UPSC - Philosophy
- UPSC - Sociology

SSC JE COURSES

- Civil (Tech + Non-Tech)
- Electrical (Tech + NonTech)
- Mechanical (Tech + NonTech)
- Civil (Tech)
- Electrical (Tech)
- Mechanical (Tech)

TEACHING EXAMS

- CTET Exam
- DSSSB/KVS

RAILWAY COURSES

- RRB (Non-Tech)
- Asst Loco Pilot - Electrical
- Asst. Loco Pilot - Electronics & Comm.

ALL DEFENCE EXAMS

- All Defence Exams
- CAPF (A.C.) Exams
- CDS Exam
- NDA EXAM
- SSB Exams

RBI GRADE - B

- RBI Grade -B

STATE PSC

- Madhya Pradesh
- Maharashtra
- Uttar Pradesh
- Gujarat
- Punjab
- Chattisgarh
- Uttrakhand
- Andhra Pradesh
- Jharkhand
- Karnataka

UPSC/CSE COURSES

- UPSC
- History GS
- Geography GS
- Polity GS
- UPSC CSAT Course
- International Relations
- Science & Technology
- Ecology & Env
- Economics

LAW EXAMS

- CLAT Exams

NABARD EXAMS

- NABARD Grade - A

PROFESIONAL COURSES

- MS Excel

UGC NET

- UGC NET - Paper I
- UGC NET - English (Paper II)
- UGC NET - Hindi (Paper II)
- UGC NET - Maths (Paper-II)

www.studyiq.com

प्रासंगिकता

- बहुवैकल्पिक स्तर: मौलिक अधिकार शामिल
- विषय स्तर: मंदिर प्रवेश मुद्दा और इससे जुड़े सभी पहलू।

समाचार में क्यों?

- धार्मिक रूढ़िवादियों के खिलाफ महिलाओं की दीवार बनाने के लिए केरल के दक्षिणी छोर से 620 किमी लंबे खंड के साथ लाखों भारतीय महिलाओं ने हाथ मिलाया, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध कर रहे थे, जिसमें सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर मे मासिक धर्म वाली महिलाओं के प्रवेश की अनुमति थी।

STUDY IQ

नए साल का दिन

- 30 लाख महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर "महिलाओं की दीवार" बनाई जो केरल की लंबाई में चलती थी।

- दीवार उत्तर में कासरगोड से दक्षिण में तिरुवनंतपुरम तक लगभग 620 किमी की दूरी पर फैली हुई है, जो प्रतिभागियों को केरल के पुनर्जागरण के मूल्यों को बनाए रखने, लिंग न्याय सुनिश्चित करने और राज्य को एक पागल शरण में बदलने के लिए कदम का प्रतीक है।

Kasaragod
Kannur
Wayanad
Kozhikode
Malappuram
Palakkad
Thrissur
Ernakulam
Idukki
Kottayam
Alappuzha
Pathanamthitta
Kollam
Thiruvananthapuram

- इस दीवार में सभी सामाजिक जीवन के कार्यकर्ता, फिल्मस्टार, थिएटर से जुड़ी हस्तियां, लेखक, खिलाड़ी, नन, किसान शामिल थे और उनकी देखभाल केसरगोड में स्वास्थ्य मंत्री केके शिल्जा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की वरिष्ठ नेता वृंदा करात ने की थी।

- प्रतिभागियों ने “सामाजिक सुधार आंदोलन के मूल्यों की रक्षा करने, संविधान द्वारा कल्पना की गई लैंगिक समानता के विचार का समर्थन करने और केरल को“ एक भयावह शरण ”में बदलने के किसी भी प्रयास का विरोध करने का संकल्प लिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल सितंबर में फैसला सुनाया कि सबरीमाला मंदिर गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगाकर मासिक धर्म की महिलाओं के साथ भेदभाव नहीं कर सकता है। अदालत ने कहा, "देश ने महिलाओं को देवत्व प्राप्त करने में भागीदार के रूप में स्वीकार नहीं किया है।" “जैविक कारकों पर महिलाओं के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती है।

- तीन दिन पहले, संघ द्वारा जुटाए गए हजारों महिलाओं और पुरुषों ने “सबरीमाला की परंपराओं और रिवाजों को बचाने के लिए अयप्पा ज्योति या अयप्पा के दीप जलाए थे।” अय्यप्पा सबरीमाला के पीठासीन देवता हैं।

सबरीमाला मामला अनोखा क्यों है?

- सबरीमाला के अय्यप्पन को एक ब्रह्मचारी भगवान के रूप में पूजा जाता है।

- तीर्थयात्रियों से 41 दिन के व्रतम (पवित्र दर्शन) के दौरान ब्रह्मचर्य और संयम का अभ्यास करने की अपेक्षा की जाती है।

- सबरीमाला धर्म और जाति के बावजूद सभी भक्तों के आवास के लिए केरल के मंदिरों के बीच में स्थित है।

- सबरीमाला श्री धर्म संस्थान मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में से एक है, जो केरल के पथानामथिट्टा जिले में स्थित है। मंदिर का प्रबंधन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड द्वारा किया जाता है।

- सबरीमाला मंदिर के मुख्य हिस्से में त्रावणकोर देवसोम बोर्ड, तंत्री (प्रधान पुजारी) परिवार, पंडालम रॉयल फैमिली, अयप्पा सेवा संगम आदि हैं।

सुप्रीम कोर्ट का तर्क क्या है?

- धार्मिक अधिकार
- सबरीमाला मंदिर मामले ने 2 सेटों के बीच संघर्ष का प्रतिनिधित्व किया
- सामाजिक धारणाएँ
- 4-1 बहुमत में, अदालत ने केरल हिंदू स्थानों की सार्वजनिक पूजा (प्रवेश का अधिकार) नियम, 1965 के प्रावधानों को तोड़ दिया।

असहमति न्यायधीशो की टिप्पणी क्या थी?

- जस्टिस मल्होत्रा उस बेंच पर अकेली महिला थीं जो फैसले से असहमत थी।
- उनेहोने उल्लेख किया कि धार्मिक समुदाय के लिए जो आवश्यक धार्मिक प्रथा है वह फैसला करने के लिए है न कि न्यायालय के लिए।
- एक ओर धार्मिक विश्वासों के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है और दूसरी ओर गैर-भेदभाव और समानता के संवैधानिक सिद्धांत।
- उन्होने यह भी कहा कि वर्तमान निर्णय सबरीमाला तक सीमित नहीं होगा, बल्कि व्यापक रूप से प्रभावी होगा।
- इसलिए गहरी धार्मिक भावनाओं के मुद्दों को न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए।

धार्मिक और लैंगिक समानता की गारंटी देने वाले विभिन्न अनुच्छेद क्या हैं?

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25
- अनुच्छेद 25 का उल्लंघन
- महिलाओं को संवैधानिक अधिकार
- भारत के संविधान 1949 में अनुच्छेद 26

महिला प्रवेश का समर्थन करने वालों के विचार

- संवैधानिक लेख
- अनुच्छेद 25 (1) के तहत उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन करके अपने धर्म का खुलकर पालन करने के लिए।
- अनुच्छेद 26 (1) के तहत अपने स्वयं के धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार "स्वयं धर्म का अभ्यास करने के अधिकार को खत्म नहीं कर सकता"
- पितृसत्ता।
- सबके विचार को ईश्वर के बराबर होने का उपदेश देता है।

महिला प्रवेश का विरोध करने वालों के विचार

- 'शुद्धता' के संरक्षण के लिए
- देवता भगवान अयप्पा एक निशक्त ब्रम्हचारी के रूप में,
- अपने स्वयं के नियमों के साथ अलग धार्मिक पंथ
- संविधान का अनुच्छेद 15 धार्मिक संस्थानों पर लागू नहीं होता है
- अनुच्छेद 25 (2) केवल धर्मनिरपेक्ष पहलुओं से संबंधित है और यह केवल सामाजिक मुद्दों से संबंधित है

संक्षेप में

- सबरीमाला, शनि शिंगनापुर, और हाजी अली जैसे पूजा स्थलों में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध के हालिया मुद्दों ने एक बार फिर बहस को धार्मिक परंपरा बनाम लैंगिक समानता पर ध्यान केंद्रित किया है। ‘

- महिलाओं को धर्मस्थल तक पहुंच से बाहर करना समानता (अनुच्छेद 14), गैर-भेदभाव (अनुच्छेद 15) और धर्म की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) के उनके मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है।

- मुख्य मुद्दा एक प्रवेश को लेकर नहीं है, लेकिन समानता है। धार्मिक बहिष्करण में एक सार्वजनिक चरित्र है, और यह केवल एक पवित्र परंपरा का मुद्दा नहीं है, बल्कि नागरिक अधिकारों और सामग्री और प्रतीकात्मक समानता में से एक है।

- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अदालतें वास्तविक धर्म का गठन करने वाली बन गई हैं। यह स्थिति इसलिए पैदा हुई है क्योंकि भारतीय राज्य हिंदू धर्म और उसके संस्थानों के सुधार और प्रबंधन के लिए एजेंट है।

- न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से भक्तों के विश्वासों और रीति-रिवाजों को नहीं बदला जा सकता है। सुधार समाज के भीतर से होने चाहिए। इसलिए जब तक ऐसा नहीं होता है, हमें धार्मिक मुद्दों को बार-बार अदालत में ले जाने की संभावना है।

THANK YOU..!

Contact:-
Email: Vironika.studyiq@gmail.com
Instagram :- vironika_om
Facebook: :- m.facebook.com/vironikaom
Telegram channel : t.me/vironika_om

STUDY IQ